भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1873

जिसका उत्तर 09 जुलाई, 2019 को दिया जाना है ।

बिहार में प्रस्तावित ताप विद्युत संयंत्रों की स्थिति

1873. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार में स्थापित किए जाने वाले ताप विद्युत संयंत्रों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इन ताप विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए निर्धारित समय-सीमा/लागत इत्यादि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि इन विद्युत संयंत्रों की स्थापना किए जाने में अत्यधिक विलंब हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इसके समाधान के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री

(श्री आर. के. सिंह)

(क) से (घ) : कार्यान्वयन एजेंसी, चालू करने की मूल अनुसूची, वर्तमान अनुमोदित लागत और विलंब के कारणों संबंधी ब्यौरे सहित बिहार में पहले से ही निर्माणाधीन संयंत्रों की वर्तमान स्थिति **अनुबंध** में दी गई है।

****

अनुबंध

राज्य सभा में दिनांक 09.07.2019 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1873 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

****

बिहार राज्य में निर्माणाधीन विद्युत संयंत्रों का ब्यौरा

क्र.सं.	परियोजना/ कार्यकारी एजेंसी	चालू होने की मूल अनुसूची	वर्तमान अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में)	वर्तमान स्थिति/ टाईमलाइन	विलंब के कारण
1.	बाढ़-I (3x660 मेगावाट) एनटीपीसी	2011-12	21312.11	चालू होने की संभावना: 2021-22	• वेंडर मैसर्स टीपीई द्वारा मुख्य संयंत्र (एसजी एवं सहायक पैकेज) में अत्यधिक विलंब। मैसर्स टीपीई ने अक्तूबर, 2013 से काम करना बन्द कर दिया और 14.01.2015 को मैसर्स टीपीई का कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया गया। शेष कार्य के लिए जनवरी, 2016 में कॉनट्रैक्ट पुनः अवार्ड किया गया। • मैसर्स पावर मशीन (टीजी पैकेज) के गैर-निष्पादन के कारण विलंब। • यूनिट-I के बॉयलर के हाइड्रो टेस्ट के दौरान, मैसर्स टीपीई द्वारा आपूर्ति किए गए, क्वाइल्स के फेल होने के कारण विलंब। तदनुसार, सामग्री के बदलने के लिए अनुमोदन लिया गया और आपूर्ति, डिस्मैल्टिंग और क्वाइल के संस्थापन के लिए 15.01.2018 को कॉनट्रैक्ट मैसर्स जीई को अवार्ड किया गया। • पावर मशीन, रूस पर यूएस स्वीकृति के कारण विलंब हुआ, जिससे शेष टीजी आपूर्ति और कार्य प्रभावित हुए। • पूर्व में भूमि अधिग्रहण/ वास्तविक अधिकार के कारण विलंब। • वर्ष 2010 में समेकन की कमी चूंकि बिहार माइनर मिनरल कन्शेसन (संशोधन) नियम, 2010 के अंतर्गत पर्यावरण को संरक्षित करने, खदानों की स्टोन क्वेरी बिहार सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दी गई थी।
2.	बरौनी (2x250 मेगावाट) एनटीपीसी	बिहार सरकार 15.12.2018 को अधिग्रहीत की गई।		चालू होने की संभावना: 2021-22	कोई विलंब नहीं।
3.	बीआरबीसीएल	2012-13	9582.89	• यूनिट-I,II एवं	• भूमि अधिग्रहण में विलंब।

	नबीनगर जेवी (4x250 मेगावाट) एनटीपीसी और रेलवे का संयुक्त उद्यम		(अनुमोदन अधीन)	III चालू हो गई हैं। • यूनिट-IV निर्माणाधीन हैं। • चालू होने की संभावना: 2021-22	• पूर्व में लगातार कानूनी समस्याएं/व्यवधान/बन्द। • एनसीएलटी के अधीन सीएचपी (मैसर्स टैकप्रो.) एजेंसी के तत्परता में विलंब। • एनसीएलटी के अधीन एएचपी (मैसर्स इन्डयोर) एजेंसी के तत्परता में विलंब। • भेल द्वारा उपकरणों की आपूर्ति में विलंब। • एनसीएलटी के अंतर्गत (मैसर्स इरा) एजेंसी, सिविल एजेंसी के कमजोर कार्यान्वयन के कारण विलंब
4.	एनपीजीसीपीएल नबीनगर (3x600 मेगावाट) एनटीपीसी और बीएसपीजीसीएल का संयुक्त उद्यम	2018-19	17304.33	• निर्माणाधीन • चालू होने की संभावना: 2021-22	• भूमि के अधिग्रहण में विलंब के कारण रेलवे साइडिंग और मार्क-अप-वाटर (एमयूडब्ल्यू) पाईप कोरिडोर के कार्य प्रभावित हुए। • मुख्य संयंत्र से हाउस स्टेट आउस्टीस (एचएसओ) और ऐश डाइक केवल मार्च, 16/जून, 17 में शिफ्ट हुए। • पूर्व में लगातार कानून व्यवस्था संबंधी समस्याएं। • एनसीएलटी के अंतर्गत एएचपी (मैसर्स डीसीआईपीएस) एजेंसी की तैयारी में विलंब। • सीएचपी (मैसर्स टीआरएफ) की तैयारी में विलंब। • एनसीएलटी के अंतर्गत (मैसर्स इरा) एजेंसी, सिविल एजेंसी के कमजोर कार्यान्वयन के कारण विलंब
5.	बक्सर टीपीपी 2x660 मेगावाट सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) थर्मल (पी) लि. (एसजेवीएन लि. की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी।	पहली इकाई में 52 महीनों से 8.03.2019 तक दूसरी इकाई 6 महीने के अंतराल और उसके बाद।	8.03.2019 को 10439.09 करोड़ रुपये की लागत का निवेश का अनुदान दिया गया।	22.06.2019 ईपीसी आधार पर मुख्य संयंत्र पैकेज के लिए कॉन्ट्रैक्ट अवार्ड किया गया। जुलाई 2023 तक शुरु होने का संभावना।	कोई विलंब नहीं।

विलंब के कारणों की उनके संयंत्रों के संबंध में एनटीपीसी/एसजेवीएनएल द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाती है। विद्युत मंत्रालय भी एनटीपीसी/एसजेवीएनएल की तिमाही निष्पादन समीक्षा (क्यूपीआर) बैठकों के दौरान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करता है।

****